ओडीओपी की तर्ज पर अब एक जिला एक धरोहर गांव

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर अब प्रदेश सरकार 'एक जिला एक धरोहर गांव' योजना शुरू करेगी। संस्कृति विभाग की ओर से शुरू की जाने वाली इस योजना में हर जिले के गांवों की सांस्कृतिक विशिष्टता की पहचान तय करते हुए ऐसे सबसे श्रेष्ठ ग्राम की कला और उससे जुड़े कलाकारों को मंच प्रदान किए जाएंगे।

शुक्रवार को प्रदेश के संस्कृति मंत्री डा. नीलकंठ तिवारी ने विभाग के कामकाज की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एक जिला एक धरोहर गांव को निर्धारित करते हुए आल्हा, बिरहा, धोबिया, फरूवाही, कजरी आदि के उद्भव स्थलों के साथ ही विशेष हस्तशिल्प के गांवों का भी चयन किया जाए। उन्होंने ललित कला अकादमी के सचिव को निर्देश दिए कि विश्व विद्यालयों और कालेजों से समन्वय कर पर्यटन विभाग के साथ मिलकर धरोहर गांव गोद लिए जाएं।

एक अक्तूबर से अयोध्या में रामलीला का मंचन

संस्कृति मंत्री ने निर्देश दिये की आगामी पहली अक्टूबर से अयोध्या में प्रतिदिन रामलीला का मंचन किया जाए। रामलीला की प्रस्तुति के समय कोविड-19 की गाइडलाइन का कड़ाई से पालन किया जाए। सम्भव हो तो दर्शक दीर्घा के लिए निर्धारित संख्या की सीमित उपस्थिति के लिए गोले भी बना दिये जाएं। सुरक्षा के उपाय भी किये जाएं।

खाली पदों की तैनाती के लिए मॉनीटरिंग हो

डा. नीलकंठ तिवारी ने विभाग के अधिकारियों से कहा कि निदेशालय में रिक्त पदों पर तैनाती के लिए उ.प्र.लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन सेवा आयोग को भेजे जाने वाले अधियाचनों की प्रभावी मानीटरिंग की जाए। अकादमियों और संस्थानों में भी जो पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि उन पर नियमानुसार शीघ्रता से कार्यवाही करते हुए योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाए।